(vii) उत्तरी एवं दक्षिणी गोलार्द्ध में लवणता का वितरण स्थल व जल के ~~आन~~ असमान वितरण, वाष्पीकरण की अधिकता इत्यादि के कारण असमान है।

– लवणता का ऊर्ध्वाधर वितरण :–

लवणता का ऊर्ध्वाधर वितरण प्रायः जलराशि के स्वभाव से प्रभावित है। साधारणतः गहराई में जाकर लवणता कम होनी चाहिए, किन्तु ठण्डी व उष्ण जलराशि की उपस्थिति के कारण लवणता में ~~अम~~ अनायास ही अन्तर उत्पन्न हो जाता है।

अटलांटिक महासागर के दक्षिण में सतह पर लवणता 33‰ है, 400 मीटर की गहराई में बढ़कर 34.5‰ हो जाती है तथा 12,00 मीटर पर 34.75‰ होती है। किन्तु 20° दक्षिणी अक्षांश के निकट सतह पर 37‰ है जो कि घटकर तली में केवल 35‰ होती है। इसके विपरीत विषुवत रेखा के निकट सतह पर 34‰ है क्योंकि स्वच्छ जल की प्राप्ति होते रहती है।

समलवण रेखाओं के दर्शाने पर निम्न निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं :—

(i) कर्क और मकर रेखाओं पर लवणता के अधिक पाये जाने के कारण वाष्प का अधिक बनना है।

(ii) विषुवत रेखा के निकट वर्षा अधिक होने से लवणता कम पाई जाती है।

(iii) ध्रुवों के निकट हिम के पिघलने से सागरों में स्वच्छ जल मिल जाता है, इस कारण वहाँ जल की लवणता में कमी हो जाती है।

(iv) नदियों के मुहानों के निकट लवणता कम पाई जाती है क्योंकि वहाँ नदियों का स्वच्छ जल सागर में मिलता रहता है।

(v) अधिकतर सागरों और महासागरों के जल में भली प्रकार सम्मिश्रण न होने के कारण लवणता का अन्तर पाया जाता है।

(vi) बन्द सागरों या झीलों में लवणता की वितरण व्यवस्था भी भिन्न होती है।

महासागरीय जल में लवणता का अक्षांशीय वितरण

| | अक्षांश | महासागरीय जल में लवणता % |
|---|---|---|
| उत्तरी गोलार्द्ध | 60° | 25.58 |
| | 50° | 30.23 |
| | 40 | 34.56 |
| | 30 | 35.56 |
| | 20 | 35.44 |
| | 10° | 35.44 |
| | 0° | 36.72 |
| | 10° | 30.08 |
| | 20° | 35.34 |
| | 30° | 35.69 |
| | 40 | 35.63 |
| | 50 | 30.08 |
| | 60 | 28.63 |

3. लवणता / खारापन का क्षैतिज वितरण :

लवणता का क्षैतिज वितरण

समलवण रेखाओं अथवा समान लवणता के स्थानों ~~कि~~ को मिलानेवाली रेखाओं द्वारा दिखाया जाता है। विश्व के मानचित्र पर